आईटीएस मुरादनगर में विश्व पर्यावरण दिवस का आयोजन

हिन्द आत्मा संवाददाता

गाजियाबाद। आईटीएस डेन्टल कॉलिज, मुरादनगर गाजियाबाद मे 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस का आयोजन किया गया,जिसका विषय पारिस्थितिकी तंत्र की पुनः स्थापना रहा।विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आईटीएस द एजुकेशन ग्रुप के वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा ने कहा कि हमें प्रकृति की सुंदरता और महत्व की सराहना करनी चाहिए और धरती के प्राकृतिक वातावरण को पर्यावरण का नाम दिया गया है जो मनुष्यों, जानवरों, पक्षियों और वनस्पतियों को पृथ्वी पर रहने फलने फूलने में मदद करता है। स्वस्थ व्यक्ति का विकास स्वच्छ वातावरण मे ही संभव है। मनुष्य, जानवर, वनस्पति, पेड़, मौसम, जलवायु सभी पर्यावरण के भीतर समाहित है।पर्यावरण न केवल जलवायु में संतुलन बनाए रखता है बल्कि जीवन के लिए आवश्यक सभी चीजें प्रदान करने का कार्य भी पर्यावरण ही करता है। विश्व पर्यावरण दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य पर्यावरण के संरक्षण के बारे मे जागरूकता फैलाना है। लंबे समय से हम अपने ग्रह के पारिस्थितिकी तंत्र का शोषण कर रहे है। हर तीन सेकेंड में, दुनिया एक फुटबॉल पिच को कवर करने जितना पर्याप्त जंगल खो देती है।

इसी के साथ पिछली शताब्दी में हमने अपनी आधी आर्द्रभूमि को नष्ट कर दिया है।हमारी 50 प्रतिशत कोरल रीफ पहले ही नष्ट हो चुकी है,जबकि 90 प्रतिशत तक कोरल रीफ साल 2050 तक नष्ट हो सकती है। कोविड-19 के प्रभाव ने यह भी दिखाया है कि पारिस्थितिकी तंत्र के नुकसान के परिणाम कितने विनाशकारी हो सकते है। जानवरों के लिए प्राकृतिक आवास के क्षेत्र को कम करके, हमने रोगजनकों के लिए आदर्श परिस्थितियों का निमार्ण किया है जिसमे कोरोना वायरस जैसी बीमारी भी शामिल है।पारिस्थितिकी तंत्र की पुनः स्थापना कई रूप में हो सकती है, जैसे- पेड़ लगाना, शहर को हरा-भरा करना, बगीचों को फिर से बनाना, नदियों और तटों की सफाई करना आदि। इसी विषय पर आईटीएस डेन्टल कॉलेज में श्रृंखला का आयोजन किया गया। जिसमें संस्थान की ओपीडी में आने वाले मरीजों को वायु प्रदूषण के हानिकारक प्रभावों और स्वस्थ जीवन के लिए स्वच्छ वातावरण के बारे में जागरूक किया गया। संस्थान में स्टाफ और फैकल्टी द्वारा पौधारोपण किया गया। पारिस्थितिकी तंत्र की पुनः स्थापना विषय पर बीडीएस एवं एमडीएस छात्रों के लिए एक ऑनलाइन कैप्शन प्रतियोगिता आयोजित की गयी। इसके साथ ही संस्थान द्वारा सोशल मीडिया अभियान का आयोजन किया गया था जो एक ऐसे पारिस्थितिकी तंत्र की पुनः स्थापना पर ध्यान केंद्रित कर रहा था जो खराब, क्षतिग्रस्त या नष्ट हो गया है।संस्थान वाइस चेयरमैन आईटीएस द एजुकेशन ग्रुप अर्पित चड्ढा के कुशल मार्गदर्शन और नेतृत्व में है। आईटीएस डेन्टल कॉलेज, गाजियाबाद को मोस्ट प्रिफर्ड यूजी/पीजी इंस्टीट्यूट ऑफ द ईयर के रूप मे सम्मानित किया गया।तत्कालीन राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी द्वारा वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा को प्रदान किया।आईटीएस डेन्टल कॉलिज को नैक ए ग्रेड से मान्यता प्राप्त है और सभी 9 दंत विशिष्टताओं में स्नातक और स्नातकोत्तर दोनो पाठ्यक्रम है। कालेज में मरीजों के सर्वोत्तम ईलाज के लिये कैड-कैम, सीबीसीटी, इम्प्लांट सर्जरी, कॉन्सियस सेडेशन, पेन क्लिनिक, लेजर आदि की आधुनिक सुविधायें भी उपलब्ध है। कॉलिज में अत्याधुनिक सेंटर फॉर एडवांस रिसर्च भी है, जहाँ अनेको शोध हुये है। जिसके लिये संस्थान को अनेको बार आईसीएमआर अनुदान से सम्मानित किया गया है।

इस सफल कार्यक्रम के आयोजन के लिये सभी प्रतिभागियों ने आईटीएस द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ आरपी चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा का आभार प्रकट किया।

राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र

परमार्थ संदेश

सामाजिक समरसता का संवाहक

आईटीएस में मनाया गया विश्व पर्यावरण दिवस

गाजियाबाद। मुरादनगर स्थित आईटीएस डेंटल कॉलेज में 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया। जिसका विषय पारिस्थितिकी तंत्र की पुनः स्थापना था।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के वाइस चेयरमैन अर्पित चड्ढा ने कहा कि हमें प्रकृति की सुंदरता और महत्व की सराहना करनी चाहिए। उन्होंने बताया कि धरती के प्राकृतिक वातावरण को पर्यावरण का नाम दिया गया है, जो मनुष्यों, जानवरों, पक्षियों और वनस्पतियों को पृथ्वी पर रहने फलने फूलने में मदद करता है। विश्व पर्यावरण दिवस पूरी दुनिया में साल 1973 से मनाया जाने लगा है। इस विश्व पर्यावरण दिवस मनाने का प्रमुख उद्देश्य पर्यावरण के संरक्षण के बारे मे जागरूकता फैलाना है। बहुत लंबे समय से हम अपने ग्रह के पारिस्थितिकी तंत्र का शोषण कर रहे है। हर तीन सेकेंड में, दुनिया एक फुटबॉल पिच को कवर करने जितना पर्याप्त जंगल खो देती है, इसी के साथ पिछली शताब्दी में हमने अपनी आधी आर्द्रभूमि को नष्ट कर दिया है। हमारी 50 प्रतिशत कोरल रीफ पहले ही नष्ट हो चुकी है, और 90 प्रतिशत तक कोरल रीफ साल 2050 तक नष्ट हो सकती है। कोविड-19 के प्रभाव ने यह भी दिखाया है कि पारिस्थितिकी तंत्र के नुकसान के परिणाम कितने विनाशकारी हो सकते है। जानवरों के लिए प्राकृतिक आवास के क्षेत्र को कम करके, हमने रोगजनकों के लिए आदर्श परिस्थितियों का निमार्ण किया है जिसमे कोरोना वायरस जैसी बीमारी शामिल है।

आईटीएस ग्रुप के चेयरमैन डॉ. आरपी चड्ढा के द्वारा संस्थान की स्थापना सन् 2000 में की गयी। संस्थान वर्तमान में वाईस चेयरमैन, आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप,अर्पित चड्ढा के कुशल मार्गदर्शन सफलता की ओर बढ़ रहा है।

विश्व पर्यावरण दिवस पर आईटीएस मुरादनगर में विशेष कार्यक्रम

युग करवट ब्यूरो

मुरादनगर। मुरादनगर स्थित आईटीएस डेन्टल कॉलिज मे विश्व पर्यावरण दिवस पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा ने कहा कि धरती के प्राकृतिक वातावरण को पर्यावरण का नाम दिया गया है, जो मनुष्यों, जानवरों, पक्षियों और वनस्पतियों को पृथ्वी पर रहने फलने फूलने में मदद करता है। बीडीएस एवं एमडीएस छात्रों के लिए एक ऑनलाइन कैप्शन प्रतियोगिता आयोजित की गयी। संस्थान की ओर से सोशल मीडिया अभियान के जरिए लोगों को पर्यावरण के प्रति जागरूक किया गया।

आईटीएस सेंटर फॉर डेन्टल स्टडीज एंड रिसर्च में हुआ विश्व पर्यावरण दिवस का आयोजन

मुरादनगर (करंट क्राइम)। नगर क्षेत्र में हाईवे स्थित आईटीएस डेन्टल कॉलिज मे विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया। जिसका विषय पारिस्थितिकी तंत्र की पुनः स्थापना था। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा ने कहा कि हमें प्रकृति की सुंदरता और महत्व की सराहना करनी चाहिए और उन्होंने बताया कि धरती के प्राकृतिक वातावरण को पर्यावरण का नाम दिया गया है, जो मनुष्यों, जानवरों, पक्षियों और वनस्पतियों को पृथ्वी पर रहने फलने फूलने में मदद करता है। स्वस्थ व्यक्ति का विकास स्वच्छ वातावरण मे ही संभव है।

मनुष्य, जानवर, वनस्पति, पेड़, मौसम, जलवायु सभी पर्यावरण के भीतर समाहित है। पर्यावरण न केवल जलवायु में संतुलन बनाए रखता है बल्कि जीवन के लिए आवश्यक सभी चीजें प्रदान करने का कार्य भी पर्यावरण ही करता है। विश्व पर्यावरण दिवस पूरी दुनिया में साल 1973 से मनाया जाने लगा है। इस विश्व पर्यावरण दिवस मनाने का प्रमुख उद्देश्य पर्यावरण के संरक्षण के बारे मे जागरूकता फैलाना है। इसी विषय पर आईटीएस डेन्टल कॉलेज में श्रृंखला का आयोजन किया गया। संस्थान की ओपीडी में आने वाले मरीजों को वायु प्रदूषण के हानिकारक प्रभावों और स्वस्थ जीवन के लिए स्वच्छ वातावरण के महत्व के बारे में जागरूक किया गया।

संस्थान में स्टाफ और फैकल्टी द्वारा पौधारोपण किया गया। पारिस्थितिकी तंत्र की पुनः स्थापना विषय पर बीडीएस एवं एमडीएस छात्रों के लिए एक ऑनलाइन कैप्शन प्रतियोगिता आयोजित की गयी। सभी छात्रों ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया। संस्थान द्वारा सोशल मीडिया अभियान का आयोजन किया गया था जो एक ऐसे पारिस्थितिकी तंत्र की पुनः स्थापना पर ध्यान केंद्रित कर रहा था जो खराब, क्षतिग्रस्त या नष्ट हो गया है।

कार्यक्रम के आयोजन के लिये सभी प्रतिभागियों ने ग्रुप के चेयरमैन डॉ. आर.पी. चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा को धन्यवाद दिया।

आज का विचार

जिस प्रकार हजारों की संख्या में बछड़ा अपनी मां को ढूंढ लेता है। इसी प्रकार आपके द्वारा किया गया कर्म आपको ढूंढ लेगा।

हटा कोरोना कर्फ्यू पर साप्ताहिक बंदी... 02

महारानी के बहाने राजनीति के... 04

सर्राफा/बाजार

सोना प्रति 10 ग्राम ₹ 49,020 | चांदी प्रति किलो 71,543 ₹

सेंसेक्स

सेंसेक्स 0.25% ▼ 52100.05 | ▼ 0.13% निफ्टी 15670.25

www.dainikhint.com

@DainikHint

दैनिक हिन्ट

हमेशा आपके साथ

जोश, जुनून और जनता से जुड़ी खबरें

स्थापना : 1963

वर्ष : 39 | अंक : 285 | गाजियाबाद, सोमवार, 07 जून 2021 | पेज : 08 | मूल्य : 02 ₹ | गाजियाबाद, नोएडा, दिल्ली, मेरठ, हापुड़, बुलंदशहर, बागपत, शामली, मुजफ्फरनगर व सहारनपुर से प्रसारित | डाक पंजीयन संख्या यूपी /GBD-166/2016-18

आईटीएस डेंटल कालेज में मनाया विश्व पर्यावरण दिवस

मुरादनगर। आईटीएस डेन्टल कॉलिज विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया। जिसका विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के वाईस चेयरमैन, अर्पित चड्ढा ने कहा कि मनुष्य, जानवर, वनस्पति, पेड़, मौसम, जलवायु सभी पर्यावरण के भीतर समाहित है। पर्यावरण न केवल जलवायु में संतुलन बनाए रखता है बल्कि जीवन के लिए आवश्यक सभी चीजें प्रदान करने का कार्य भी पर्यावरण ही करता है। संस्थान में स्टाफ और फैकल्टी द्वारा पौधारोपण किया गया। पारिस्थितिकी तंत्र की पुन: स्थापना विषय पर बीडीएस एवं एमडीएस0 छात्रों के लिए एक ऑनलाइन कैप्शन प्रतियोगिता आयोजित की गयी। साथ ही संस्थान द्वारा सोशल मीडिया अभियान का आयोजन किया गया था जो एक ऐसे पारिस्थितिकी तंत्र की पुन: स्थापना पर ध्यान केंद्रित कर रहा था जो खराब, क्षतिग्रस्त या नष्ट हो गया है। इस मौके पर चेयरमैन डॉ आरपी चड्ढा व अन्य फैक्लटी मौजूद रहे।

आईटीएस सेंटर फॉर डेंटल स्टडीज एंड रिसर्च मुरादनगर

धूमधाम से मनाया गया विश्व पर्यावरण दिवस

अथाह संवाददाता

मुरादनगर। आईटीएस डेंटल कॉलेज मुरादनगर में शनिवार को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया। जिसका विषय पारिस्थितिकी तंत्र की पुनः स्थापना था। इस मौके पर आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा ने कहा कि हमें प्रकृति की सुंदरता और महत्व की सराहना करनी चाहिये। धरती के प्राकृतिक वातावरण को पर्यावरण का नाम दिया गया है जो मनुष्यों, जानवरों, पक्षियों और वनस्पतियों को पृथ्वी पर रहने फलने फूलने में मदद करता है। स्वस्थ व्यक्ति का विकास स्वच्छ वातावरण मे ही संभव है। मनुष्य, जानवर, वनस्पति, पेड़, मौसम, जलवायु सभी पर्यावरण के भीतर समाहित है। पर्यावरण न केवल जलवायु में संतुलन बनाए रखता है बल्कि जीवन के लिए आवश्यक सभी चीजें प्रदान करने का कार्य भी पर्यावरण ही करता है।

विश्व पर्यावरण दिवस पूरी दुनिया में साल 1973 से मनाया जाने लगा है। इस विश्व पर्यावरण दिवस मनाने का प्रमुख उद्देश्य पर्यावरण के संरक्षण के बारे मे जागरूकता फैलाना है।

इस सफल कार्यक्रम के आयोजन के लिये सभी प्रतिभागियों ने आईटीएस द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डा. आरपी चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा को धन्यवाद दिया।

विश्व पर्यावरण दिवस का आयोजन

parichowk.com June 5, 2021 parichowk.com

आई0टी0एस0 डेन्टल कॉलिज, मुरादनगर, गाजियाबाद मे दिनांक 5 जून, 2021 को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया। जिसका विषय – पारिस्थितिकी तंत्र की पुनः स्थापना था।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आई0टी0एस0-द एजुकेशन ग्रुप के वाईस चेयरमैन, श्री अर्पित चड्ढा ने कहा कि हमें प्रकृति की सुंदरता और महत्व की सराहना करनी चाहिए और उन्होंने बताया कि धरती के प्राकृतिक वातावरण को पर्यावरण का नाम दिया गया है जो मनुष्यों, जानवरों, पक्षियों और वनस्पतियों को पृथ्वी पर रहने फलने फूलने में मदद करता है। स्वस्थ व्यक्ति का विकास स्वच्छ वातावरण मे ही संभव है। मनुष्य, जानवर, वनस्पति, पेड़, मौसम, जलवायु सभी पर्यावरण के भीतर समाहित है। पर्यावरण न केवल जलवायु में संतुलन बनाए रखता है बल्कि जीवन के लिए आवश्यक सभी चीजें प्रदान करने का कार्य भी पर्यावरण ही करता है। विश्व पर्यावरण दिवस पूरी दुनिया में साल 1973 से मनाया जाने लगा है। इस विश्व पर्यावरण दिवस मनाने का प्रमुख उद्देश्य पर्यावरण के संरक्षण के बारे मे जागरूकता फैलाना है। बहुत लंबे समय से हम अपने ग्रह के पारिस्थितिकी तंत्र का शोषण कर रहे है। हर तीन सेकेंड में, दुनिया एक फुटबॉल पिच को कवर करने जितना पर्याप्त जंगल खो देती है, इसी के साथ पिछली शताब्दी में हमने अपनी आधी आर्द्रभूमि को नष्ट कर दिया है। हमारी 50 प्रतिशत कोरल रीफ पहले ही नष्ट हो चुकी है, और 90 प्रतिशत तक कोरल रीफ साल 2050 तक नष्ट हो सकती है। कोविड-19 के प्रभाव ने यह भी दिखाया है कि पारिस्थितिकी तंत्र के नुकसान के परिणाम कितने विनाशकारी हो सकते है। जानवरों के लिए प्राकृतिक आवास के क्षेत्र को कम करके, हमने रोगजनकों के लिए आदर्श परिस्थितियों का निमार्ण किया है जिसमे कोरोना वायरस जैसी बीमारी शामिल है।

पारिस्थितिकी तंत्र की पुनः स्थापना कई रूप में हो सकती है, जैसे- पेड़ लगाना, शहर को हरा-भरा करना, बगीचों को फिर से बनाना, नदियों और तटों की सफाई करना आदि। इसी विषय पर आई0टी0एस0 डेन्टल कॉलेज में निम्नलिखित श्रंृखला का आयोजन किया गया। जिसमें संस्थान की ओ0पी0डी0 में आने वाले मरीजों को वायु प्रदूषण के हानिकारक प्रभावों और स्वस्थ जीवन के लिए स्वच्छ वातावरण के महत्व के बारे में जागरूक किया गया। संस्थान में स्टाफ और फैकल्टी द्वारा पौधारोपण किया गया। पारिस्थितिकी तंत्र की पुनः स्थापना विषय पर बी0डी0एस0 एवं एम0डी0एस0 छात्रों के लिए एक ऑनलाइन कैप्शन प्रतियोगिता आयोजित की गयी। जिसमें सभी छात्रों ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया। इसके साथ ही संस्थान द्वारा सोशल मीडिया अभियान का आयोजन किया गया था जो एक ऐसे पारिस्थितिकी तंत्र की पुनः स्थापना पर ध्यान केंद्रित कर रहा था जो खराब, क्षतिग्रस्त या नष्ट हो गया है।

आई0टी0एस0 सेंटर फॉर डेन्टल स्टडीज एण्ड रिसर्च, मुरादनगर, गाजियाबाद की स्थापना आई0टी0एस0 – द ऐजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ0 आर0पी0 चड्ढा के द्वारा सन् 2000 में की गयी। यह देश के मुख्य संस्थानों मे से एक है अपनी स्थापना के बाद से ही यह संस्था अपने छात्रों और अपने मरीजों को उन्नत गुणवत्ता के उपचार के लिये एक स्वस्थ राष्ट्र के लिये सेवा मिशन के साथ उच्च गुणवत्ता की शिक्षा के लिये प्रतिबद्ध है।

संस्थान वर्तमान में हमारे माननीय वाईस चेयरमैन, आई0टी0एस0-द एजुकेशन ग्रुप, श्री अर्पित चड्ढा के कुशल मार्गदर्शन और नेतृत्व में है। जिन्होंने संस्थान को न केवल नई दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, बल्कि उन्होंने संस्थान को नई ऊंचाइयों पर भी पहुंचाया है। इसलिए उनकी योग्यता और कड़ी मेहनत के कारण आई0टी0एस0 डेन्टल कॉलेज, गाजियाबाद को मोस्ट प्रिफर्ड यू0जी0/पी0जी0 इंस्टीट्यूट आॅफ द ईयर के रूप मे सम्मानित किया गया। जिसे भारत रत्न और पद्म विभूषण भारत के 13वें राष्ट्रपति श्री प्रणब मुखर्जी ने हमारे माननीय वाईस चेयरमैन, श्री अर्पित चड्ढा को प्रदान किया।

आई0टी0एस0 डेन्टल कॉलिज को नैक ए0 ग्रेड से मान्यता प्राप्त है और सभी 9 दंत विशिष्टताओं में स्नातक और स्नातकोत्तर दोनो पाठ्यक्रम है। संस्थान में छात्रों के लिए बहुत अच्छी शैक्षणिक और क्लिनीकल अभ्यास की सुविधाएं उपलब्ध है जिसके फलस्वरूप प्रत्येक वर्ष हमारे छात्र विश्वविद्यालय में नियमित रूप से टॉप पोजिशन में रहते है। संस्थान को हाल में नॉलेज रिव्यू मैगज़ीन 2019 द्वारा देश के शीर्ष दस सर्वश्रेष्ठ दंत चिकित्सा संस्थानों में से एक है।

कॉलिज में मरीजों के सर्वोत्तम ईलाज के लिये कैड-कैम, सी0बी0सी0टी0, इम्प्लांट सर्जरी, कॉन्सियस सेडेशन, पेन क्लिनिक, लेजर आदि की आधुनिक सुविधायें भी उपलब्ध है। कॉलिज में अत्याधुनिक सेंटर फॉर एडवांस रिसर्च भी है, जहाँ अनेको शोध हुये है। जिसके लिये संस्थान को अनेको बार आई0सी0एम0आर0 अनुदान से सम्मानित किया गया है।

इस सफल कार्यक्रम के आयोजन के लिये सभी प्रतिभागियों ने आई0टी0एस0 – द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ0 आर0पी0 चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन श्री अर्पित चड्ढा को धन्यवाद दिया।

उप जिलाधिकारी जेवर ने विश्व पर्यावरण दिवस "एक घर एक पौधा" का कराया संकल्प

विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर यमुना प्राधिकरण के अधिकारियों ने किया

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर वरिष्ठ पुल िस अधीक्षक लवकुमार कलेक्ट्रेट परिसर